हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 नम आंखों से मां भगवती को दी विदाई



07 वीरान पड़े सरकारी भवन बने नशेड़ियों का अड्डा पुलिस की भूमिका...



परिवारवाद के विरोध से सत्ता तक... अब सागर में परिवार ही परिवार !

भाजपा मंचों से परिवारवाद पर करती रही प्रहार, लेकिन सागर में नेताओं के इर्द-गिर्द परिजन ही संभाल रहे राजनीतिक मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

भाजपा लंबे समय से कांग्रेस पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाकर उसे कठघरे में खड़ा करती रही है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक मंचों से परिवारवाद को लोकतांत्रिक राजनीति के लिए चुनौती बताते रहे हैं। लेकिन सागर जिले की मौजूदा राजनीतिक तस्वीर पर नजर डालें तो सवाल उठता है कि परिवारवाद का विरोध करने वाली भाजपा की स्थानीय राजनीति खुद परिवारों के इर्द-गिर्द क्यों सिमटती जा रही है?

जिले की आठ विधानसभा सीटों में से अधिकांश पर किसी न किसी बड़े राजनीतिक परिवार की सक्रिय मौजूदगी दिखाई देती है। कहीं पिता की राजनीतिक विरासत बेटे संभाल रहे हैं, कहीं पत्नी सक्रिय हैं तो कहीं भाई, बहू और भतीजे राजनीति में अपनी जगह बनाए हुए हैं। ऐसे में वर्षों से पार्टी के लिए जमीन तैयार करने वाले सामान्य कार्यकर्ता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राजनीति में आगे बढ़ने के लिए संगठन से ज्यादा राजनीतिक परिवार का हिस्सा होना जरूरी होता जा रहा है?

भार्गव परिवार : राजनीति से दूरी की बात से सक्रियता तक

रहली विधानसभा क्षेत्र से लगातार नौवीं बार विधायक पंडित गोपाल भार्गव लंबे समय से प्रदेश की राजनीति में बड़ा नाम हैं। राजनीतिक जीवन के अलग-अलग दौर में परिवार को सक्रिय राजनीति से दूर रखने की बात भी सामने आती रही है। लेकिन वर्तमान में उनके पुत्र अभिषेक भार्गव की राजनीतिक सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। पत्नी रेखा भार्गव भी क्षेत्र के सार्वजनिक कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देती हैं और परिवार की अगली पीढ़ी की मौजूदगी भी राजनीतिक आयोजनों में नजर आती है। सवाल यह है कि जिस क्षेत्र में दशकों से भाजपा का मजबूत संगठन खड़ा है, वहां क्या पार्टी के पास भार्गव परिवार के अलावा कोई नया राजनीतिक चेहरा तैयार नहीं हो पाया?



राजपूत परिवार : मंत्री से लेकर जिला पंचायत तक

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में भी राजनीतिक परिवार का प्रभाव नजर आता है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के भाई हीरा सिंह राजपूत जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी सविता राजपूत भी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं, जबकि पुत्र आकाश राजपूत को राजनीतिक विरासत का अगला चेहरा माना जा रहा है।



यानी एक ही परिवार की राजनीतिक मौजूदगी विधानसभा से लेकर जिला पंचायत और क्षेत्रीय संगठन तक दिखाई देती है। ऐसे में सुरखी के सामान्य भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक भविष्य की राह परिवार से बाहर निकलकर भी खुली है?

खुरई में भी परिवार की मजबूत पकड़

खुरई विधायक और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह का राजनीतिक प्रभाव भी क्षेत्र में लंबे समय से कायम है। उनकी पत्नी सरोज सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं, जबकि पुत्र अभिराज सिंह खुरई क्षेत्र में सक्रिय राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। परिवार के अन्य सदस्य भी पहले राजनीतिक जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।



ऐसे में खुरई की राजनीति में भी भाजपा के उन कार्यकर्ताओं के लिए जगह का सवाल खड़ा होता है, जो लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन नेतृत्व की अगली पंक्ति में पहुंचने का अवसर उन्हें कितना मिलता है?

सागर में भी राजनीतिक परिवार की छाप

सागर विधायक शैलेंद्र जैन की पत्नी अनुश्री शैलेंद्र जैन भी सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। विधायक के लंबे राजनीतिक प्रभाव के बीच परिवार की सार्वजनिक सक्रियता ने भी स्थानीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है।



बंडा में पिता की विरासत बेटे के हाथ

बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह लंबरदार स्वयं अपने पिता शिवराज सिंह की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। यहां भी राजनीति में परिवार की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्थापित राजनीतिक परिवारों के बाहर के कार्यकर्ताओं के लिए नेतृत्व की राह उतनी ही आसान है?



देवरी में बेटी की सक्रियता

देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया की पुत्री की राजनीतिक सक्रियता भी क्षेत्र में चर्चा का विषय है। यह तस्वीर बताती है कि जिले की राजनीति में नई पीढ़ी का प्रवेश बड़े राजनीतिक परिवारों के माध्यम से तेजी से हो रहा है।



महापौर की राजनीति भी परिवार से अछूती नहीं

सागर नगर निगम की राजनीति में भी परिवार की सक्रियता दिखाई देती है। महापौर संगीता सुशील तिवारी के पति सुशील तिवारी महापौर प्रतिनिधि की भूमिका में हैं, वहीं भतीजे रिशांक तिवारी भी महापौर प्रतिनिधि के रूप में निगम की गतिविधियों में सक्रिय नजर आते हैं।

और प्रदीप लारिया..परिवारवाद की भीड़ में अलग चेहरा

सागर जिले की इस पूरी राजनीतिक तस्वीर में नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया का परिवारवाद के सवाल पर अलग उदाहरण सामने आता है। उनके परिवार से फिलहाल कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाता नजर नहीं आता। यही वजह है कि राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि परिवारवाद की राजनीति के बीच प्रदीप लारिया शायद जिले के उन चुनिंदा विधायकों में हैं, जिनकी राजनीतिक पहचान फिलहाल परिवार के बजाय स्वयं के संगठनात्मक और राजनीतिक सफर से बनी है।



सवाल सिर्फ परिवारवाद का नहीं, कार्यकर्ता के भविष्य का है

सागर जिले की राजनीति में परिवारों की सक्रियता को केवल परिवारवाद कहकर खारिज करना भी आसान नहीं है। राजनीतिक परिवारों के अपने सामाजिक सरोकार, संगठनात्मक योगदान और जनाधार होते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि भाजपा का वह सामान्य कार्यकर्ता कहां खड़ा है, जो वर्षों से झंडा उठाता है, बूथ संभालता है, चुनाव लड़ाता है और संगठन को मजबूत करता है?

जब विधायक, मंत्री, जिला पंचायत और नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक केंद्रों के आसपास एक ही परिवार के कई चेहरे दिखाई देने लगें, तो पार्टी के भीतर नए नेतृत्व के अवसर पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भाजपा जिस परिवारवाद को कांग्रेस की कमजोरी बताकर जनता के बीच मुद्दा बनाती रही है, सागर की राजनीति अब उसी भाजपा के सामने एक असहज सवाल खड़ा कर रही है—क्या परिवारवाद सिर्फ विपक्ष के लिए बुरा है, या अपनी पार्टी में भी उतना ही अस्वीकार्य होना चाहिए?



विजयादशमी राष्ट्र की विजय और सांस्कृतिक चेतना का पर्व, श्रीराम के आदर्शों को अपनाए युवा पीढ़ी : अविराज

खुरई। भगवान श्रीराम ने अपने आचरण, त्याग, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा से समाज को जो आदर्श दिए, वे आज भी प्रत्येक पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह उद्गार युवा नेता अविराज सिंह ने नगर पालिका के पीछे स्थित मेला ग्राउंड में विजयादशमी पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने तीर चला कर 51 फुट के रावण की पुतले सहित कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया और महिषासुर मर्दिनी का कंठस्थ पाठ सुनाया। अविराज सिंह ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और भगवान हनुमान के स्वरूपों का पूजन कर आरती की। इसके बाद उन्होंने तीर चलाकर रावण दहन किया। तीर लगते ही 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ 21 फुट के कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के दहन से आतिशबाजी शुरू हो गई। रंग-बिरंगी आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा और मैदान में उपस्थित लोगों ने जय-जय श्रीराम के जयकारों के साथ विजयादशमी का उत्सव मनाया। नाम चार बजे से ही कार्यक्रम स्थल पर देवी आराधना हेतु संगीतमय भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। अविराज सिंह ने कहा कि विजयादशमी का पर्व भारतीय संस्कृति में दो महत्वपूर्ण प्रसंगों के कारण विशेष स्थान रखता है। मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने अहंकार और अधर्म के प्रतीक रावण का अंत किया था, वहीं मां दुर्गा ने नौ दिनों तक चले भीषण युद्ध के बाद दसवें दिन महिषासुर का वध कर देवताओं और समस्त संसार को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। महिषासुर ने कठोर तपस्या से वरदान प्राप्त कर तीनों लोकों में आतंक फैलाया था, जिसके बाद देवताओं की सामूहिक शक्तियों से मां दुर्गा प्रकट हुईं और उन्होंने उसका संहार किया। ये दोनों प्रसंग संदेश देते हैं कि अन्याय, अत्याचार और अहंकार चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः सत्य और धर्म की विजय होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे प्रत्येक युग के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत हैं। श्रीराम ने अपने पिता के वचन की मर्यादा बनाए रखने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार किया और छोटे भाई भरत के प्रति प्रेम तथा त्याग का परिचय दिया, जबकि रावण ने अपने ज्ञान और शक्ति का उपयोग अहंकार तथा दुराचरण के लिए किया। श्रीराम का जीवन बताता है कि वास्तविक महानता ज्ञान, सामर्थ्य या पद में नहीं, बल्कि उनके सदुपयोग, चरित्र और व्यवहार में निहित होती है। भगवान श्रीराम ने कठिनतम परिस्थितियों में भी मर्यादा का त्याग नहीं किया और अपने आचरण से यह स्थापित किया कि संकट के समय ही व्यक्ति के वास्तविक चरित्र की परीक्षा होती है।उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विजयादशमी के संदेश को अपने जीवन में उतारना चाहिए। धन, पद और बाहरी शक्ति किसी व्यक्ति को महान नहीं बनाते, बल्कि उसके संस्कार, चरित्र, अनुशासन और दूसरों के प्रति व्यवहार ही उसकी वास्तविक पहचान होते हैं।

आस्था और परंपरा का महाकुंभ बना रहली का 44वां विराट दशहरा मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली



नगर में आयोजित 44वां विराट दशहरा मेला बुधवार को आस्था, उत्साह और परंपरा का अनूठा संगम बन गया। कॉलेज ग्राउंड में आयोजित मेले में दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन और पारंपरिक अखाड़ों के रोमांचक प्रदर्शन देखने के लिए श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ा। चारों ओर माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय नजर आया।

मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव रहे। विशिष्ट अतिथि सांसद राहुल सिंह लोधी, देवरी विधायक बृज बिहारी पटेरिया और अभिषेक भार्गव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी ने की। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे अखाड़ों के खिलाड़ियों ने पारंपरिक शस्त्रों एवं विभिन्न करतबों का शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के हैरतअंगेज करतब देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। देर रात तक मेला परिसर में लोगों की भीड़ बनी रही।

रावण दहन के साथ आतिशबाजी

रामदल द्वारा रावण दहन किया गया। रावण के पुतले के दहन के दौरान हुई आकर्षक आतिशबाजी और जय श्रीराम के जयकारों से पूरा मेला परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया।कार्यक्रम में एसडीएम, तहसीलदार सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। नगर पालिका सीएमओ धनंजय गुमास्ता, इंजीनियर शिवराम साहू, पार्षदगण तथा नगर पालिका एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भी व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

रबी सीजन के लिए खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो : कमिश्नर सागर संभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कमिश्नर सागर संभाग दिलीप कुमार की अध्यक्षता में आज कमिश्नर कार्यालय सभागार में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विभागवार संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं, खाद-बीज की उप लब्धता, ऋण वितरण, वेयर हाउस संचालन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक में संभाग में रबी फसलों के लिए खाद की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। कमिश्नर दिलीप कुमार ने कहा कि किसानों को समय पर खाद मिलना अत्यंत आवश्यक है। सभी डबल लॉक केन्द्रों पर मांग के अनुसार खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने डबल लॉक केन्द्रों एवं सहकारी समितियों से वितरित होने वाले खाद और वर्तमान में उपलब्ध स्टॉक की भी समीक्षा की। मांग के अनुसार खाद की उपलब्धता एवं वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि संभाग में कहीं भी खाद की कमी न हो और वितरण व्यवस्था पारदर्शी एवं सुचारू रहे।

कमिश्नर ने अल्पावधि ऋण वितरण की स्थिति पर चर्चा करते हुए सहकारिता विभाग को निर्देशित किया कि इस संबंध में बैंकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की जाए ताकि किसानों को समय पर ऋण सुविधा का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने डिफॉल्टर सोसायटियों की सूची तैयार कर नियमानुसार आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए, ताकि सहकारी व्यवस्था सुदृढ़ हो सके।

उद्यानिकी विभाग द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि उद्यानिकी फसलों के रकबे में वृद्धि की जाए। अधिक से अधिक किसानों को उद्यानिकी फसलें अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने जिले में संचालित छोटी निर्माण इकाइयों का एमएसएमई में पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए, ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

कमिश्नर ने किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए फार्मगेट ऐप से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह मध्यप्रदेश सरकार द्वारा लांच किया गया निःशुल्क एंड्रॉयड ऐप है, जिसके माध्यम से किसान बिना मंडी जाए अपनी फसल या कृषि उपज को सीधे अपने घर, खलिहान या गोदाम से पंजीकृत व्यापारियों को उचित भाव पर बेच सकते हैं। बैठक में वेयर हाउस संचालन की समीक्षा की गई।



विजयादशमी पर्व पर सेवा न्यास ने किया दुर्गा मंडलों और अखाड़ों का सम्मान

देवरीकलाँ। श्रीमति त्रिवेणी-लखमीचंद स्मृति सेवा न्यास ने विजयादशमी पर्व के शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार चल समारोह में शामिल दुर्गा समितियों एवं युवा अखाड़ा मंडलों का स्वागत कर उन्हे स्मृति चिन्ह स्वरूप पीतल के त्रिशूल भेंट किए। इस अवसर पर समिति संचालक अलकेश जैन, पूर्व विधायक भानु राणा, नगरपालिका अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। देवरी नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समाज सेवा एवं सास्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में विगत ढेड़ दशक से कार्य कर रही सामाजिक संस्था श्रीमति त्रिवेणीबाई-लखमीचंद जैन स्मृति सेवा न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार विजया दशमी के अवसर पर आयोजित चल समारोह में दुर्गा मंडलों का स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय नगरपालिका चौराहे पर आयोजित इस कार्यक्रम में सेवा न्यास के संचालक अलकेश जैन ने न्यास के सदस्यों के साथ चल समारोह में शामिल दुर्गा प्रतिमाओं की आगवानी कर पूजन किया एवं समितियों एवं अखाड़ा मंडलों का स्वागत कर उन्हे सम्मान स्वरूप पीतल से निर्मित त्रिशूल भेंट किया। इस अवसर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति नेहा अलकेश जैन एवं न्यास के सदस्यों ने पुष्प वर्षाकर समितियों का अभिवादन किया एवं अधर्म पर धर्म की जीत के महान पर्व की शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. भानु राणा, पतंजलि योगपीठ मध्यप्रदेश के सचिव योगाचार्य भगतसिंह, पार्षद त्रिवेंद्र जाट, मोनू मिश्रा, कैलाश नामदेव, नीलेश गुप्ता, सुरेंद्र नामदेव, अनिल बिल्थरे, विनीत जैन, राजेश खत्री, रोहित सिंघई, जगत ठाकुर, मनोज नामदेव उपस्थित रहे।

कविता एवं कॉमिक प्रतियोगिता आयोजित

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता माह 2026 के अंतर्गत "एक सतर्क नागरिकः भ्रष्टाचार के विरुद्ध नायक" विषय पर स्वरचित कविता एवं कॉमिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, नैतिकता, पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता की भावना को प्रोत्साहित करना था।
प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने कविता लेखन एवं कॉमिक बुक के माध्यम से भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों, ईमानदारी के महत्व तथा भ्रष्टाचार-मुक्त समाज के निर्माण में नागरिकों की भूमिका को रचनात्मक एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों ने सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक आचरण और जागरूक नागरिकता के महत्व को रेखांकित किया।

गढ़ाकोटा में देर रात तक हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन, प्रशासन रहा अलर्ट

बड़े पुल स्थित सुनार नदी के घाट पर पुलिस, नगरपालिका और राजस्व अमले की निगरानी में हुआ विसर्जन, हाइड्रा मशीन से हुआ मूर्तियों का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गढ़ाकोटा



सागर जिले के गढ़ाकोटा में शारदीय नवरात्र पर्व के समापन पर विजयादशमी का त्योहार हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। दशहरे की शाम से ही नगर में दुर्गा प्रतिमाओं के चल समारोह निकाले गए। अखाड़ों,डीजे और बाजे-गाजे के साथ निकले चल समारोह देर रात तक चलते रहे। परंपरा के अनुसार सबसे पहले मां काली की प्रतिमा का चल समारोह निकाला गया, जिसके बाद अन्य दुर्गा प्रतिमाएं विसर्जन के लिए रवाना हुईं। बड़े पुल के पास सुनार नदी स्थित विसर्जन घाट पर प्रशासन की निगरानी में देर रात तक प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

घाट पर किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर नगरपालिका गढ़ाकोटा द्वारा सुनार नदी के बड़े पुल स्थित घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं।

विसर्जन के लिए हाइड्रा मशीन और नाव की व्यवस्था की गई, ताकि बड़ी प्रतिमाओं को सुरक्षित तरीके से नदी में विसर्जित किया जा सके। घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए थे। पुलिस, नगरपालिका, राजस्व और वन विभाग का अमला पूरे समय मौके पर मौजूद रहा।

थाना प्रभारी गौरव तिवारी, तहसीलदार महेश दुबे और संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं पर नजर रखी और विसर्जन कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में सहयोग किया।

लगभग 50 प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

तहसीलदार महेश दुबे ने बताया कि विसर्जन के दौरान लगभग 25 दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका था, जबकि कुछ प्रतिमाएं शेष थीं। उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व नगर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और इसमें सभी लोगों का सहयोग रहा।

नवरात्र के समापन पर पूरा नगर मां दुर्गा की भक्ति में लीन नजर आया। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। प्रशासन की निगरानी और नागरिकों के सहयोग से विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से विधायक शैलेंद्र जैन ने की मुलाकात, सागर आगमन का दिया न्योता

सागर। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उन्हें विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा सागर आगमन के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान विधायक जैन ने सागर के सामाजिक एवं व्यापारिक हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुलाकात के दौरान विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने नामदेव समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष रखते हुए नामदेव जयंती के अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने समाज की भावनाओं और इस मांग के महत्व से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त, सागर के अनाज-तिलहन व्यापारी संघ से जुड़े मंडी व्यापारियों द्वारा विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित मांगों के निराकरण के संबंध में विधायक जैन को ज्ञापन सौंपा गया था। व्यापारियों की इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक जैन ने उनके निराकरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संबंधित पत्र सौंपा तथा आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और समाज की जायज मांगों के निराकरण को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष इन विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

खबर संक्षेप

बड़ी माता मंदिर जा रही महिलाओं से मारपीट

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम तेरा में बड़ी माता मंदिर पर चुनरी चढ़ाने जा रही महिलाओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि रास्ते में मौजूद दो सगे भाइयों ने महिलाओं के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की तहरीर पर बानपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम तेरा निवासी सपना पत्नी मुकेश बसोर ने बताया कि 18 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे वह परिवार की मानकुंवर पत्नी मनोज बसोर और रामकुंवर पत्नी जयराम बसोर के साथ घर से बड़ी माता मंदिर पर चुनरी चढ़ाने जा रही थीं। आरोप है कि जब वह गांव में रामकुमार के मकान के पास पहुंचीं, तभी वहां मौजूद गांव के ही अजय और सुजान पुत्रगण नरेन्द्र ने उन्हें देखकर गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने गाली देने का विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने एकजुट होकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके की ओर आने लगे तो दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। महिला की शिकायत के आधार पर थाना बानपुर पुलिस ने आरोपी अजय और सुजान पुत्रगण नरेन्द्र निवासी ग्राम तेरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बुढ़वार में युवक के साथ मारपीट, मामला दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़वार में माता मंदिर के पास एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने युवक के साथ मारपीट कर उसे चोटिल कर दिया। आरोप है कि घटना के दौरान लोगों के एकत्र होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बुढ़वार निवासी हरिश्चंद्र पंथ पुत्र धनसिंह पंथ ने बताया कि 19 अक्टूबर को शाम करीब 4.30 बजे वह गांव में माता मंदिर के पास मौजूद थे। इसी दौरान संजय कोली उर्फ संजय पंथ वहां पहुंचा और उनके साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट कर दी। आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान मौके पर अन्य लोग एकत्र होने लगे तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गया। शिकायत में आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के जिला शिवपुरी अंतर्गत थाना खनियाधाना के वार्ड नंबर 09, जामा मस्जिद के पास संजय कोली उर्फ संजय पंथ पुत्र देवी प्रसाद पंथ के रूप में बताई गई है। कोतवाली पुलिस ने हरिश्चंद्र पंथ की तहरीर के आधार पर आरोपी संजय कोली उर्फ संजय पंथ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से युवती का पैर फ्रैक्चर, चालक फरार

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में युवती के पैर में फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल युवती को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के भाई की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चौबयाना निवासी सचिन सोनी पुत्र भरत सोनी ने बताया कि 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 2.30 बजे वह अपनी स्कूटी से छोटी बहन वैशाली सोनी को लेकर एनएच-44 से गुजर रहे थे। जब वह मन्नू पेट्रोल पंप से आगे शनि महाराज मंदिर के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक संख्या यूपी 94 टी 2525 के चालक ने कथित तौर पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार वैशाली सोनी सड़क पर गिर गईं और उनके पैर में गंभीर चोट आई। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवती को तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

गाजे बाजे के साथ देर शाम तक चला मां के स्वरूप की विदाई का सिलसिला

नम आंखों से मां भगवती को दी विदाई





हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

युवाओं ने रंग गुलाल उड़ा कर श्रद्धा का प्रदर्शन किया

नवरात्रि पर्व के समापन पर पिछले नौ दिनों से पूजित मां भवानी की प्रतिमाओं को गाजे बाजे के साथ ले जाने का सिलसिला देर रात्रि तक लगा रहा। उत्साहित भक्तों ने मां के जयकारे लगाते हुए नगर परिक्रमा की। नगर में झांकी स्थलों से प्रतिमाओं को गोविंद सागर बांध में अलग से बनाये गये विसर्जन स्थल तक पहुंचाया गया, जहां से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। उत्साही युवाओं ने रंग गुलाल उड़ा कर श्रद्धा का प्रदर्शन किया। भ्रमण के पश्चात विधि विधानपूर्वक इन स्वरूपों को विसर्जित कर दिया गया।

पिछले 9 दिनों से समूचा जिला दुर्गामय बना हुआ था। सुबह व सायंकालीन होने वाली आरती में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित होकर आदिशक्ति की श्रद्धा में लीन बने रहते थे। आज अधिकांश कार्यक्रमों का विधिविधान पूर्वक समापन हो गया है। जहां सिद्ध पीठों पर पिछले 9 दिनों से श्रीमद् भागवत कथा, श्रीराम कथा, दुर्गा सप्तशती पाठ आदि के कार्यक्रम चल रहे थे, वहीं झांकी स्थलों पर प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे थे। आज यज्ञ क्रियाओं के साथ मां भवानी के स्वरूप के समक्ष आहूतियां दी गईं। अपरांह समय मां के दरबारों से प्रतिमाओं को वाहनों में सजा कर नगर परिक्रमा के लिए ले जाया गया। मां के स्वरूपों को आस्थावान युवक सम्भाले हुए थे वहीं नृत्य करतीं टोलियां परम्परागत गीतों पर झूमती हुई चल रहीं थीं। पिछले नौ दिनों तक जो श्रद्धालु लगातार क्रियाओं में भागीदारी जता रहे थे वह अंतिम दिन भी बड़े उत्साह के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए पवित्र सरोवरों में ले गए। अगले वरस फिर आना के साथ देवी प्रतिमाओं को विदाई दी गई। नगर में ग्रामीण क्षेत्रों से अलग आज नजारा बिखरा हुआ था। गोविंद सागर बांध की तलहटी में आदीशक्ति की प्रतिमाओं की सामूहिक महाआरती उतारी गई। पूजन विधान की क्रियाओं के पश्चात स्वरूपों को अश्रुपूरित नेत्रों से विसर्जित कर दिया गया। जिले में शारदीय नवरात्रि के दौरान होने वाले कार्यक्रम पहचान बने हुए हैं। इन कार्यक्रमों में धर्म, जाति जैसे संकुचित नामों के लिए कोई जगह नहीं होती। दूसरे धर्मों के अनुयाई भी बढ़-चढ़ कर आयोजनों में भागीदारी निभाते हैं। 9 दिनों तक चलने वाले आयोजनों में उन्होंने प्रमुख रूप से योगदान दिया। झांकी स्थलों से भले ही मां के स्वरूपों की विदाई हो गई हो लेकिन जिले का सौहार्द सदैव याद रखा जाएगा।

बांध पर तैनात रहे अधिकारी व पुलिस फोर्स

सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड. के नेतृत्व, जिलाधिकारी सत्य प्रकाश व पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के संयुक्त आदेश पर गोविन्द सागर बांध पर बनाये गये विसर्जन तालाब के आसपास भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर आलाधिकारियों के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, एसडीएम सदर हेमन्त पटेल, ईओ दिनेश कुमार विश्वकर्मा व सीओ सिटी अजय कुमार लगातार भ्रमणशील रहे। वहीं यातायात सुगम बनाये रखने के लिए यातायात निरीक्षक आलोक कुमार तिवारी, टीएसआई नफीस अहमद, टीएसआई गौरव कुमार, टीएसआई शाकिब हाश्मी व उनकी टीम का अहम योगदान रहा।

एनएच-44 पर बंगरिया के पास हादसा

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से ट्रक चालक के दोनों पैर टूटे

बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर



सड़क पार करते समय बाइक ने मारी टक्कर

थाना पाली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बंगरिया के पास सड़क पार कर रहे एक ट्रक चालक को तेज रफ्तार मोटर साइकिल ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक चालक के दोनों पैर टूट गए, जबकि एक हाथ में भी फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरधा ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। साथी की तहरीर पर पाली पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले के ग्राम मोहम्मदपुर निवासी जावेद पुत्र मजीद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने साथी जिला नूंह मेवात के ग्राम अलावलपुर निवासी अजीज पुत्र अब्दुल गनी के साथ रोडवेज की गाडिय़ां चलाते हैं। 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 3.15 बजे उनका ट्रक एनएच-44 पर बंगरिया के पास खड़ा था। इसी दौरान अजीज ट्रक खड़ा करके बाथरूम जाने के लिए सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान पाली की ओर से आ रही बाइक संख्या यूपी 94 एएल 3209 के अज्ञात चालक ने अजीज को टक्कर मार दी। हादसे में अजीज गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं और एक हाथ में भी फ्रैक्चर हो गया। आरोप है कि दुर्घटना के बाद बाइक चालक मौके से भाग निकला। हादसे के बाद जावेद ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद 108 एंबुलेंस की मदद से घायल अजीज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरधा पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल के साथी जावेद की तहरीर के आधार पर थाना पाली पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

राजघाट बांध जा रहे श्रद्धालुओं के लिए गुड्डू राजा बुंदेला ने कराया प्रसाद वितरण

मां दुर्गा के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर



मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए राजघाट बांध जा रहे श्रद्धालुओं के लिए काला पहाड़ स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश महामंत्री गुड्डू राजा बुंदेला के निजी फार्म हाउस पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। मंगलवार को मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और मां दुर्गा के जयकारों के साथ प्रतिमाओं को लेकर राजघाट बांध की ओर रवाना हुए।

इसी क्रम में काला पहाड़ स्थित गुडडू राजा बुंदेला के निजी फार्म हाउस पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। यहां से गुजरने वाले श्रद्धालुओं ने रुककर प्रसाद ग्रहण किया। गुडडू राजा बुंदेला ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते हुए सभी के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की आराधना हमें साहस, शक्ति, सत्य, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। धार्मिक पर्व हमारी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों पर बनी रहे तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए। साथ ही उन्होंने समाज में प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता बनाए रखने की कामना की।

भंडारे के साथ स्वच्छता का भी रखा ध्यान, कूड़ा एकत्र करने कराई गाड़ी की व्यवस्था

तालाबपुरा में मां पीताम्बरा सेवा समिति ने कराया विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर



तालाबपुरा स्थित डोंडाघाट में बड़े के पास मां पीताम्बरा सेवा समिति के तत्वावधान में भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में मोहल्ले वासियों, राहगीरों और मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए राजघाट बांध जा रहे श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। समिति के सदस्यों ने श्रद्धाभाव के साथ प्रसाद वितरित कर श्रद्धालुओं की सेवा की।

आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सहयोग और स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। मोहल्ले के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं ने भी रुककर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और सेवा का माहौल बना रहा। मां पीताम्बरा सेवा समिति की ओर से भंडारे के दौरान स्वच्छता को लेकर विशेष व्यवस्था की गई। सड़क पर गंदगी न फैले, इसके लिए कूड़ा एकत्र करने वाली गाड़ी की व्यवस्था कराई गई। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की गई कि प्रसाद ग्रहण करने के बाद पत्तलों और अन्य कचरे को सड़क पर न फेंके, बल्कि निर्धारित कूड़ा गाड़ी में ही डालें। समिति की इस पहल से आयोजन स्थल पर साफ-सफाई बनाए रखने में मदद मिली। समिति सदस्यों ने धार्मिक आयोजन के साथ स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

आयोजन ने यह संदेश दिया कि धार्मिक आस्था और जनसेवा के साथ सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना भी सभी की जिम्मेदारी है। भंडारे के आयोजन में नंदकिशोर साहू, मुकेश विश्वकर्मा, अभिषेक निरंजन, जितेंद्र साहू, अनुग्रह खरे, अमित साहू, अमित झा, पत्रकार आशीष तिवारी, शुभम जमुनिया, सुनील साहू, नीरज सोनी, निलेश ठाकुर, आकाश साहू, जितेंद्र साहू, अखिलेश साहू, यश साहू और रुपेश साहू सहित समस्त मित्र मंडली का सहयोग रहा।

आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

ललितपुर में अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

65 क्वार्टर बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी शराब के कुल 65 क्वार्टर बरामद किए हैं। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की। पहली कार्रवाई सोमवार तड़के करीब 1.13 बजे करीम नगर तिराहा, नहर रोड के पास की गई। चौकी प्रभारी नई बस्ती उपनिरीक्षक आलोक सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे।

इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली। उसके पास मौजूद थैले से दोस्ताना मार्का देशी शराब के 30 क्वार्टर बरामद हुए। पकड़े गए युवक की पहचान मोहल्ला आजादपुरा निवासी सौरभ उर्फ कालू के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह शराब का ठेका बंद होने के बाद इसे महंगे दामों पर बेचने के लिए घर ले जा रहा था। दूसरी कार्रवाई सोमवार दोपहर करीब 2.50 बजे ग्राम मसौरा खुर्द में हुई। उपनिरीक्षक विवेक धामा पुलिस टीम के साथ जांच के लिए गांव जा रहे थे। इसी दौरान सचिवालय के सामने एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में भागने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद बोरी से रसभरी मार्का देशी शराब के 35 क्वार्टर बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपी की पहचान ग्राम मसौरा खुर्द निवासी बाबूलाल अहिरवार के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि गांव में शराब का ठेका नहीं होने के कारण वह बिक्री के उद्देश्य से शराब ले जा रहा था। कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

कोचिंग सेंटर में छात्र से मारपीट, चार युवकों पर मामला दर्ज, जान से मारने की धमकी का आरोप

गाली-गलौज का विरोध करने पर लात-घूंसों से पीटा

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित एक कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर में पढ़ाई करने गए छात्र के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। छात्र की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला नई बस्ती गांधीनगर निवासी ओमजी शर्मा पुत्र दिनेश शर्मा ने बताया कि 17 अक्टूबर को दोपहर करीब 3.15 बजे वह स्टेशन रोड स्थित टैलेंट कोचिंग सेंटर में कम्प्यूटर की कक्षा लेने गया था। आरोप है कि वहां मौजूद बुढ़वार निवासी अनेक सिंह पुत्र कृपाल सिंह उसके साथ बेवजह गाली-गलौज करने लगा। जब ओमजी ने इसका विरोध किया तो अनेक सिंह ने फोन करके अपने तीन अन्य साथियों रोहित, मौसम और धर्मेश ग्वाला को मौके पर बुला लिया। इसके बाद चारों युवकों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने उसे लात-घूंसों से पीटा, जिससे उसके शरीर में अंदरूनी चोटें आईं। जाते समय आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। छात्र ने अपनी शिकायत में बताया कि मारपीट की पूरी घटना कोचिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी अनेक सिंह, रोहित, मौसम और धर्मेश ग्वाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

रामलीला मैदान पर शिवलीला, श्रीकृष्ण लीला व श्रीराम लीला का मनमोहक प्रदर्शन किया

असत्य पर सत्य की जीतः रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया



हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

श्री रामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति द्वारा दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शाम को शोभायात्रा श्रीरघुनाथजी बड़ा मंदिर से प्रारंभ हुई जो कि गाजे बाजो के साथ अपने निर्धारित मार्ग से होती हुई नदीपार, गोविंद नगर, रावतयाना, रामलीला मैदान में पहुंची। यात्रा में सबसे आगे सीताजी का रथ, पीछे रावण का रथ, इसके बाद कुंभकरण, मेघनाथ का रथ, इसके बाद रावण दल उनके पीछे रघुनाथजी मंदिर के विग्रह, राम लक्ष्मण का रथ, राक्षस का दल, उनके पीछे वानर सेना, अपने करतब दिखाते हुए चल रही थी।

रामलीला मैदान पर पहुंचने पर रणचंडी पूजन एवं शमी पूजन कार्यक्रम किए गए। इसके साथ ही लीला प्रारंभ हुई। मंच पर राम रावण युद्ध का सजीव अभिनय पात्रों द्वारा किया गया, जिनमें श्रीराम का अभिनय रुद्रांश चतुर्वेदी, लक्ष्मण सिद्धार्थ, सीता कृष्णा, हनुमानजी अंकित चतुर्वेदी, सुग्रीव आदित्य साहू, रावण शुभम कौशिक, कुम्भकरण रमेश साहू, मेघनाथ विराज तामिया शामिल रहे। इस बार समिति द्वारा पात्रों की संख्या बढ़ाई गई। रामादल व रावण दल के सैनिकों की संख्या बड़ा कर उनको युद्ध के लिए प्रेरित किया। ताकि मंच पर युद्ध का सजीव चित्रण प्रसत्तुत किया जा सके। इसके लिए नई पोशाकें और अस्त्र, शस्त्र डंका धनुष आदि मंगवाए गए। पात्रों की संख्या अधिक होने से इस बार इस बार शोभायात्रा का रूप भी बड़ा हुआ। इसी क्रम में शाम 5 बजे से रामलीला मैदान पर श्रीशिवलीला, श्रीकृष्ण लीला व श्रीराम लीला, नृत्य आदि के मनमोहक प्रदर्शन किया गया। इस बार आतिशबाज द्वारा शानदार आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रावण कुंभकरण मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। जयश्री राम के नारों से के उद्घोष से पूरा मैदान गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर अधिकारियों व पुलिस के साथ सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली मैदान पर 5 बजे से वृंदावन के कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण नृत्य शिव काली नृत्य आदि के मनमोहक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान समिति अध्यक्ष पं.बृजेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं.श्यामा कांत चौबे, उपाध्यक्ष राजेश दुबे, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा, संयोजक जगदीश पाठक, महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, मंत्री राकेश तामिया, ऑडिटर चंद्रशेखर राठौर, सांस्कृतिक मंत्री अवधेश कौशिक, शिवकुमार शर्मा, शुभम कौशिक, कृष्णकांत तिवारी, के.के.साहू, मुन्नालाल त्यागी आदि मौजूद रहे।

विजयादशमी अन्याय, विषमता और दरिद्रता रूपी दशानन के अंत का संकल्प दिवस : सिद्धार्थ शर्मा



रामराज्य की परिकल्पना में निहित है समानता, सद्भाव और सर्वजन सुखाय का संदेश

ललितपुर। स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार सिद्धार्थ शर्मा ने विजयादशमी के अवसर पर समाज को अन्याय, अनीति, शोषण, आतंक और सामाजिक विषमता के विरुद्ध संकल्प लेने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी केवल रावण-दहन का पर्व नहीं है, बल्कि यह बुराइयों के अंत और एक बेहतर, समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प दिवस भी है। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की रामकथा में केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि विद्रोह, सामाजिक परिवर्तन और आदर्श व्यवस्था की परिकल्पना का स्वर भी समाहित है। तुलसीदास द्वारा वर्णित रामराज्य ऐसा समाज है, जहां किसी के भीतर हीनता का भाव न हो, कोई अज्ञानता के अंधकार में न रहे और सभी मनुष्य आपसी प्रेम, सद्भाव तथा समानता के साथ जीवन व्यतीत करें। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई सब नर करहिं परस्पर प्रीती, राम प्रताप विषमता खोई। का उल्लेख करते हुए कहा कि रामराज्य की मूल भावना समाज में व्याप्त भेदभाव और विषमता को समाप्त कर आपसी प्रेम एवं समानता स्थापित करना है। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना रामकथा के समय था। उन्होंने कहा कि विजयादशमी पर रावण के पुतले का दहन करने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेना भी आवश्यक है। अन्याय, शोषण, आतंक, अनीति और सामाजिक भेदभाव के साथ-साथ दरिद्रता रूपी दशानन का अंत करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर से वंचित रहेगा, तब तक आदर्श समाज की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती। सिद्धार्थ शर्मा ने आह्वान किया कि इस विजयादशमी पर प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर की बुराइयों को दूर करने के साथ समाज में समानता, सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि अन्याय और विषमता की राख पर समानता, सामाजिक समरसता तथा सर्वजन सुखाय की भावना से परिपूर्ण रामराज्य की फसल तभी लहलहा सकेगी, जब समाज का हर वर्ग विकास और सम्मान के समान अवसर प्राप्त करेगा।

अनुपयोगी हो रहे भवनों को बनाए रखने पर भी लग रहे सवालिए निशान

वीरान पड़े सरकारी भवन बने नशेड़ियों का अड्डा पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जिला मुख्यालय पर ऐसे कई सरकारी भवन है जो अनुपयोगी होकर खाली पड़े हैं इनमें अब सरकारी गतिविधियां तो नहीं होती लेकिन इन भवनों का उपयोग नशेड़ी अपने नशा करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। शहर के बीचों बीच इन भवनो में से कुछ तो जर्जर होकर जनहानी का कारण भी बन सकते हैं ऐसी रिपोर्ट पीडब्लूयुडी से मिलने के बावजूद इन भवनों खड़ा क्यों रखा हुआ है क्या किसी जनहानि का इंतजार किया जा रहा है? यह समझ से परे है और जो भवन अच्छी हालत में है क्या उन्हें दोबारा से किसी उपयोग में नहीं लाया जा सकता ताकि इन भावनो का पीछा नशेड़ियों से तो छूटे।जिला मुख्यालय पर जो दो सरकारी भवन नशेड़ियों की पहली पसंद बने हुए हैं उनमें मेन मार्केट स्थित ख़ारिज सूबात कचहरी भवन एवं पर्यटक स्थल बंजारा डेम का विश्राम ग्रह शामिल है।



नशेड़ियों की पहली पसंद बनी सूबात कचहरी

सुबात चौराहा से आगे किला रोड पर बनी सुबात कचहरी विगत दो दशकों से भी अधिक समय से खाली खंडहर बनकर नशेड़ियों अड्डा बन चुकी है कभी जिला न्यायालय का अधिकार रखने वाली यह बिल्डिंग आज नशेड़ियों का अड्डा बन गई है। इस भवन से न्यायालय नए भवन में शिफ्ट होने के बाद ताला डाल दिया गया और उसके बाद प्रशासन ने इसकी सुध नहीं ली। ताला डला होने के बावजूद नशेड़ी कचहरी की दीवार फोड़ कर अंदर घुस रहे हैं। खारा कुआं के पास (पीछे वाला रास्ता) से कचहरी में घुसने के लिए रास्ता दीवार तोड़कर बनाया गया है यहीं से नशेड़ी नशा करने के लिए अंदर घुस रहे हैं। इस खंडर में स्मैक का नशा करने वाले नशेडियों के नशे में उपयोग होने वाले एविल इंजेक्शन की खाली शीशी और सिरिंज के ढेर इधर उधर पड़े बिखरे दिखाई पड़ जाएंगे।

पर्यटक स्थल के बजाए नशा तीर्थ बना बंजारा डेम

मध्य प्रदेश टूरिज्म विभाग ने शहर में पर्यटक स्थलों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से करीब एक करोड रुपए खर्च कर बंजारा डैम को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया था इसके लिए बंजारा डैम घाट पर विश्राम गृह और रेस्टोरेंट भवन बनाकर घाटों को आकर्षक लुक देकर सौंदर्य करण किया था नगर पालिका के माध्यम से नदी में रंगीन लाइट फव्वारे लगाए गए थे टूरिज्म विभाग ने 6 पैडल बोट देकर उसे नगर पालिका के सुपुर्द कर दी थी तब मीरा रमेश गर्ग की परिषद ने उक्त मोटर बोट और रेस्टोरेंट को ठेके पर देकर पर्यटक स्थल को विकसित किया था तब लोग रोज शाम ढलते ही यहां परिवार सहित घूमने आने लगे थे बहुत भीड़ पर्यटक स्थल पर रहने लगे थे लेकिन बाद में यह स्थल ऐसा उजड़ा के दोबारा सज नहीं पाया अब वीरान पड़ा यह स्थल नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। शाम होते ही नशेड़ी यहां नशा करने आ जाते हैं इसकी बानगी विश्रामग्रह रेस्टोरेंट के भीतर जगह-जगह बिखरे पड़े एविल इंजेक्शन और सीरिंज मौजूद है जिनके माध्यम से स्मैक नशों में लगाई जाती है।

कॉम्प्लेक्स के लिए बनाई योजना, बोली लगाकर बेचा

बीच बाजार में स्थित सुबात कचहरी भवन अनुपयोगी और खंडहर हो जाने के कारण प्रशासन ने इसे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और बनाने के लिए हाउसिंग बोर्ड को सौंपा था। तत्कालीन कलेक्टर शिवम वर्मा ने शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आधुनिक तरीके से बनाए जाने के लिए प्लानिंग भी कर ली थी लेकिन हाउसिंग बोर्ड ने इसे ऑनलाइन बोली लगाकर बेच दिया। जिससे बेरोजगार युवाओं को इस प्रस्तावित शॉपिंग में दुकान लेकर स्वरोजगार का देखा सपना भी चूर हो गया। अब जब इस भवन को जर्जर बताकर खाली करा लिया गया है तो फिर इसे गिराने में किसे आपत्ति हो सकती है।

इनका कहना है...

सुबात कचहरी जिस व्यवसायी को बेची है उसे नोटिस जारी कर दिया गया है कि वह इस भवन को गिरा कर उसका उपयोग व्यावसायिक रूप से करें। 2 दिन पहले ही हमने बंजारा डैम को क्लीन किया है पूरी साफ सफाई कर कर दी है पर यहां नशेड़ियों को रोकने का काम नगर पालिका का नहीं पुलिस प्रशासन का है।

सत्यभानु जाटव एचओ नगरपालिका श्योपुर

22अक्टूबर से 5नवंबर तक चलेगा भाजपा का जागरूकता कार्यक्रम

देश विरोधी गतिविधियों में लगे विपक्ष की करतूत उजागर करें कार्यकर्त्ता: शशांक

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



विपक्ष इन दिनों सरकार की उजली छवि को षडयंत्र पूर्वक धूमिल करने का प्रयास कर रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में देश जी गौरव में परंपरा को आगे बढ़ा रहा है उसे आमजन की नजर में काम करने का कर दिखाने का प्रयास विपक्ष भी डी जताकर कर रहा है ऐसे षड्यंत्र को रोकने के लिए हर कार्य करता सजगता से कम करें और विपक्ष के हर आप का सटीकता से जवाब दे इसकी जिम्मेदारी हम सब कार्यकर्ताओं की है यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष शशांक भूषण बुधवार को भाजपा कार्यालय पर श्लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओश्र अभियान की बैठक सम्बोधन देते हुए कही।

22अक्टूबर से 5नवंबर तक चलने वाले श्लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओश्र अभियान के तहत आयोजित हुई पहली बैठक में जिले भर के भाजपा नेता कार्यकर्ता एकत्रित हुए एक पखवाडा तक चलने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि इन दिनों विपक्ष के पास सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं है वह हर बात पर धरना प्रदर्शन कर लोगों को परेशान करने का काम कर रही है इस काम में युवाओं को बरगलाने का काम भी किया जा रहा है। हम चुप बैठ कर तमाशा नहीं देख सकते हमें विपक्ष की इस घिनौनी करतूत को उजागर करना पड़ेगा इसके लिए नुक्कड़ सभाएं कार्यक्रम आयोजित करने पड़े तो किया जाएं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा है उसमें कोई अड़ंगा न आने दें। इस दौरान पखवाडा के तहत कैसे काम किया जाए इसकी रूप रेखा तय की गई, वरिष्ठ नेताओं सहित सभी को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारियां तय की गई। पूर्व विधायक दुर्गा लाल विजय, भाजपा प्रबंध समिति सदस्य महावीर सिंह सिसोदिया, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जाट सहित नेता मौजूद रहे।

जयस्तंभ चौक पर युवा कांग्रेस ने फूंका चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला, इस्तीफे की मांग



श्योपुर। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ युवा कांग्रेस ने बुधवार शाम चार बजे शहर के जय स्तम्भ चौक पर प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर छीनाझपटी भी हुई।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता जय स्तम्भ चौक पर एकत्रित हुए और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने उनका पुतला जलाने का प्रयास किया। पुतले में आग लगते ही मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। इसके चलते पुतला पूरी तरह नहीं जल सका और आधा ही जल पाया।

पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर खींचतान की स्थिति भी बनी। पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी करते हुए चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करते रहे। प्रदर्शन के दौरान चौक पर कुछ देर तक गहमागहमी का माहौल रहा।

महिला कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में हुईं शामिल: प्रदर्शन में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामभरत मीणा, पीयूष शिवहरे और कमल शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में भागीदारी की। कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयुक्त के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराते हुए इस्तीफे की मांग दोहराई। मौके पर पुलिस की मौजूदगी के बीच पुतला दहन और नारेबाजी का घटनाक्रम चलता रहा।

कानूनी सुरक्षा पर जागरूकता शिविर का आयोजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रेरणा वृद्धाश्रम श्योपुर में अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत वरिष्ठ जनों के कल्याण एवं उनके अधिकारों के संरक्षण तथा वरिष्ठजनों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठजनों की कानूनी सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार से संरक्षण, सहायता तथा देखभाल विषयों पर केंद्रित रहा।

नगरपालिका उपाध्यक्ष संजय महाना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान सब इंस्पेक्टर श्री धर्मेन्द्र नामदेव, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी श्री ओमबीर रघुवंशी, प्रेरणा वृद्धाश्रम के सचिव श्री धर्मेन्द्र शर्मा, प्रबंधक श्री मनोज वैष्णव तथा अन्य विभागीय कर्मचारी और स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहे।

नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संजय महाना ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल करना हम सबका नैतिक दायित्व है। स्थानीय निकायों और पुलिस के समन्वय से वरिष्ठजनों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण प्रदान किया जा रहा है।

वरिष्ठजनों की सुरक्षा और अधिकारों पर हुई चर्चा कार्यक्रम के दौरान इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र नामदेव ने वरिष्ठजनों की व्यक्तिगत और कानूनी सुरक्षा, आपातकालीन सहायता तथा उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार या उपेक्षा से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन वरिष्ठजनों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे तुरंत सहायता ले सकते हैं। नोडल अधिकारी ओमबीर रघुवंशी ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे समाज में वरिष्ठजनों के प्रति सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित हो सके। कार्यक्रम के अंत में वृद्धाश्रम के सचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित



हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कर्तव्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद पुलिस कर्मियों की स्मृति में पुलिस लाईन श्योपुर में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया, रक्षित निरीक्षक अखिलेश शर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण भारत में सितम्बर 2025 से अगस्त 2026 तक कर्तव्य की वेदी पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की नामावली का वाचन किया गया। पुष्प गुच्छ के साथ शहीदों को नमन कर उनकी स्मृति में परेड करते हुए सलामी दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया सहित पुलिस के अन्य अधिकारियों, थाना प्रभारी एवं पुलिस लाइन के उपस्थित बल द्वारा शहीदों की स्मृति में उन्हें नमन किया गया।

रघुनाथपुर में मलेरिया मास सर्विलांस शिविर संपन्न, 105 ग्रामीणों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस. एन. बिंदल के निर्देशन में ग्राम रघुनाथपुर में मलेरिया मास सर्विलांस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 105 ग्रामीणों की जांच एवं रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट के माध्यम से रक्त के नमूनों की मौके पर ही मलेरिया जांच की गई।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छर जनित बीमारियों की समय रहते पहचान करना और मलेरिया के संक्रमण को फैलने से रोकना है। शिविर में डॉ. साक्षी सिकरवार, मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर श्री साहिब कुरैशी, सेक्टर सुपरवाइजर श्री राजीव शर्मा, एएनएम सुश्री नेहा हनवत सहित आशा सुपरवाइजर एवं आशा कार्यकर्त्ता शामिल रहीं। शिविर में निःशुल्क औषधि वितरण परीक्षण के बाद बुखार और अन्य मौसमी बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों की पहचान की गई और उन्हें मलेरिया रोधी दवाएं एवं आवश्यक औषधियां पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की गईं।

एमटीएस साहिब कुरैशी ने ग्रामीणों को घरों के आसपास जल-जमाव रोकने, मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के तरीके बताए गए और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. साक्षी सिकरवार ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का बुखार होने पर उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रघुनाथपुर में निःशुल्क जांच करवाएं।

एसटीपी योजना को है धरातल पर उतरने का इंतजार

मात्र एक हजार रुपए के पुर्जे ने वो काम कर दिखाया जो लाखों रुपए खर्च करने पर होना था

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

एसटीपी योजना के तहत सीप नदी में प्रवाहित हो रहे 16 नालों को प्रदूषण मुक्त कर सीप का अस्तित्व बचाने के लिए जो लाखों रुपए की योजना भोपाल भेजी गई है वह कब पूरी होगी यह तो पता नहीं लेकिन इस योजना के इतर देसी जुगाड़ सिर्फ 1000 का पुर्जा लगा देने से सीप नदी के अस्तित्व को बचाने का काम पंडित घाट पर जो किया गया है वह औरों के लिए अनुकरणीय जरूर है। अगर सभी नालों पर इसी तरह के व्यवस्थाएं गंभीरता से हो जाए तो बिन सरकारी मदद के भी सीप का अस्तित्व बचाया जा सकता है। ज्ञात हो कि पंडित घाट पर पार्षद प्रतिनिधि टोनू गौतम ने जो मुख्य नाला सीप में प्रवाहित हो रहा है उसमें से पॉलीथिन कचरा रोकने के लिए लोहे का जाल बनवाकर लगवा दिया है जिसके बाद नदी में सिर्फ पानी ही जा रहा है पॉलीथिन कचरा जाल में ही रुक रहा है जिसे रोज साफ कर ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा जा रहा है।



वैसे तो सीप नदी में शहर के 16 नाल प्रवाहित हो रहे हैं जो सीप को सुंदर नदी से नाला बनाने का काम कर रहे हैं। सबसे अधिक प्रदूषण वार्ड क्रमांक 23 पंडित घाट पर देखने को मिल रहा था यहां पर जो नाला नदी में प्रवाहित हो रहा था उसमें पॉलिथीन और दूसरा कचरा इतनी अधिक मात्रा में आ रहा था कि सीप नदी उक्त कचरे से ही पट गई थी और आधी नदी तक पानी के बजाय सिर्फ गंदगी कचरा ही दिखाई पड़ता था। समस्या इतनी विकराल हो गई थी कि लोगों ने नदी घाट पर आना-जाना ही छोड़ दिया था पर नगर पालिका ने यहां पर लोहे के जाल बनाकर नाले के मुहाने पर ऐसे फिट कर दिए की पानी तो नदी में जा रहा है लेकिन कचरा जाल में उलझकर ही रुक रहा है। जाल में रुका कचरा रोजाना ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से टचिंग ग्राउंड भेजा जा रहा है जिससे सीप जो कभी पॉलीथिन और कचरे के कारण बुरी तरह पट गई थी आज वह गहरे जल का स्रोत बन गई है। यूं कहे कि सिर्फ एक हजार रुपए के जुगाड़ मात्र से सीप के दिन अच्छे दिन दोबारा से लौटने लगे हैं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

रोहित गौतम (टोनू) पार्षद प्रतिनिधि वार्ड 23 का कहना है कि पहले नदी में पानी के साथ पॉलीथिन और कचरा अधिक मात्रा में जाता था जिससे नाले के सामने नदी कचरा पॉलिथीन से पट गई थी जब से हमने नाले में जाल लगाया है तब से सीप में सिर्फ पानी जा रहा है इससे नदी में अब कचरा दिखाई नहीं पड़ रहा है नपाध्यक्ष रेनू सुजीत गर्ग के निर्देश पर पंडित घाट को पर्यटक स्थल विकसित करने की गरज से अतिरिक्त राशि स्वीकृत कराई है और यहां शीघ्र ही पैडल बोट नौका विहार की व्यवस्था भी लागू होगी।

पंडित घाट पर शुरू होगी बोटिंग

सीप नदी के पुराने दिन लोटाने के उद्देश्य से नगरपालिका ने पंडित घाट पर 9 लाख 80 हजार रुपए लागत से नया एक अतिरिक्त घाट निर्माण करने के साथ वोटिंग व्यवस्था का भी निर्णय लिया है। इसके लिए एमपी टूरिज्म के माध्यम से बंजारा डेम के नाम पर मिली पैडल वोट का उपयोग किया जा सकता है। इससे पहले एमपी टूरिज्म बोर्ड ने शहर के पांच घाटों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। जिसमें 3 करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। जिन घाटों को एमपी टूरिज्म बोर्ड ने विकसित करने के लिए चुना है उनमें कदवाल नदी स्थित गुप्तेश्वर घाट, किला बस्ती में स्थित सोनेश्वर घाट, जति घाट, गिर्राज घाट, पंडित घाट शामिल है।

आज श्योपुर रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

श्योपुर। रेलवे स्टेशन के घोषित बजट में 77 फीसदी कटौती के विरोध में गुरुवार को कांग्रेसी वर्धा रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अतुल चौहान ने प्रेस नोट जारी कर दी।

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अतुल चौहान द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में उल्लेख है कि ग्वालियर से श्योपुर ब्रॉडगेज आमान परिवर्तन रेल लाइन जो राजस्थान के कोटा तक विस्तारित है इस लाइन के श्योपुर (वर्धा) नवीन रेलवे स्टेशन को केंद्र सरकार की 2023 की घोषणा के तहत कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की आवाजाही सहित श्योपुर के आमजन को लाभ देने के लिए अमृत भारत योजना के तहत हेरिटेज लुक में 150 करोड़ रुपए में स्वीकृत किया गया था। लेकिन इसका बजट 77% घटा के मात्र 35 करोड़ कर दिया गया है इसके विरोध में 22 अक्टूबर को दिन के 12 बजे कूनो संघर्ष समिति श्योपुर के नागरिकों के साथ आज धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन देगी।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटनाओं के दो मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं के दो मामले दर्ज किए गए हैं। जिले के देहात थाने के अंतर्गत शंकर कॉलोनी निवासी राज केवट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ऑटो क्रमांक एमपी 67 आर 1279 के चालक ने गिल्कू कबाड़ी की दुकान के सामने कोलुआ रोड़ पर अपने वाहन को तेजी और लापरवाही से चलाकर उसे टक्कर मार दी जिससे फरियाद व उसके साथी दीपक लोधी को चोटें आई हैं। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।जिले के देहात थाने के ही अंतर्गत सुनील अहिरवार निवासी लखेरी बसारती ने 4 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसके बाद पुलिस ने कार क्रमांक 24 बीएच 4717 जे के चालक ने अपनी कार को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए फरियादी की टेक्सी में टक्कर मार दी थी जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

अशोकनगर। जिले के शाढौरा थाने के अंतर्गत ग्राम सेमरी शाहवाद निवासी मनीषा रघुवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और मारपीट की। पुलिस ने ससुराल पक्ष पर दहेज का मामला दर्ज किया है।

अज्ञात आरोपी ने खाते से 95 हजार रुपए निकाले

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत रामदयाल जाटव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात आरोपी ने उसके बैंक खाते से साइबर अपराध कर 95 हजार रूपए निकाल लिए। पुलिस ने अज्ञात पर मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सेहराई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोनाई निवासी सोनू आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रविन्द्र आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम प्यासी निवासी चन्द्रकुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सोनू,शीलकुमार, रामू, श्यामसिंह यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर से गोलू यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि खिल्लू,नीतेश,मलखान और दिलीप यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टीला निवासी मोनू यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पचंम यादव, कल्याण यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम माधौपुर कुकरया निवासी लालसाहब कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बल्लू, कुशवाह, छोटू कुशवाह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ थाना क्षेत्र के अंतर्गत टकनेरी निवासी प्रमोद गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सनी बराज यादव, नंदकुमार शहराज, परमार और राकेश यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

भारी-मध्यम वाहनों का सुबह 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रवेश वर्जित

अशोकनगर। शहर में यातायात की सुगम व्यवस्था, स्कूली बच्चों के आवगमन,सडक दुर्घटना, त्यौहारों एवं वर्तमान समय की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए अत्याधिक भीड एवं वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण शहर अशोकनगर के चिन्हित स्थानों पर भारी/ मध्यम वाहनों का प्रातः 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रवेश वर्जित (नो एंट्री) किया जाना आवश्यक है। मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 के अंतर्गत अशोकनगर शहर में यातायात के बढ़ते हुये दबाव के कारण सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा की दृष्टिगत रखते हुये, अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी जिला अशोकनगर देवकी नंदन सिंह द्वारा जारी आदेश अनुसार अशोकनगर शहर के निर्धारित क्षेत्रों में प्रातः 07 बजे से रात्रि 10 बजे तक भारी/मध्यम वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।

आतिशबाजी के साथ रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन हुआ

विजयादशमी पर भगवान राम व दशानन की सेनाएं रथ पर सवार होकर निकलीं







हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

विजयादशमी के पर्व पर स्थानीय रामलीला मंच से एक विजयी चल समारोह उत्साह पूर्वक निकाला गया। इस चल समारोह में राम लीला के पदाधिकारियों द्वारा विजयीरथ पर सवार प्रभु श्रीराम की सेना को और दशानन रावण की सेना को दशहरा मैदान पर रवाना किया गया। इस चल समारोह में मेघनाथ के पुतले को भी हर वर्ष की तरह शामिल किया गया था। इस मौके पर आकर्षक आतिशवाजी के साथ रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। सुभाषगंज से निकले चल समारोह में गयाप्रसाद कलाकार मण्डल के अध्यक्ष राव यादवेन्द्र सिंह यादव उपाध्यक्ष प्रमोद जैन, सचिव रजनीश सिंघई, कोषाध्यक्ष गोविंद गुप्ता सहित रामलीला के छोटे बड़े सभी कलाकार शामिल थे। यह चल समारोह सुभाषगंज से प्रारंभ होकर शहर के स्टेशन रोड़ गांधी चैक, सुराना चैराहा, पठार होते हुए दशहरा मैदान पहुंचा। जहां राम दरवार के लिए अलग मंच बनाया गया था। इस विजयादशमी के पर्व पर प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विजयादशमी के पर्व पर अपना संबोधन दिया। इस दौरान रामलीला के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

आकर्षक आतिशबाजी का कमाल देखने को मिला

दशहरा मैदान पर राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध होते हुए दिखाया गया। इस मौके पर राम और रावण के बीच संवाद भी सुनाए गए। दशहरा मैदान पर आर्कषक आतिशवाजी का प्रदर्शन भी किया गया। मण्डल के अध्यक्ष डॉ. जयमण्डल यादव, सचिव कैलाश गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. हरवीर रघुवंशी, सह सचिव तेजन्दर खुराना, गौपाल कौल, देवेन्द्र अग्रवाल, सौरभ गुप्ता टिंगू, सहित कई पदाधिकारी शामिल थे। इस दौरान आर्कषक आतिशवाजी ने लोगों का मन मोह लिया। इस दौरान एक के बाद एक आर्कषक आतिशवाजी शहर के आकाश को रोशन करती हुए नजर आई। इस दशहरा उत्सव पर हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ आयोजन स्थल पर शामिल थी। व्हीआईपी लोगों को अन्दर प्रवेश दिया गया था और सामान्य लोगों को बाहर से ही इस कार्यक्रम को देखना पड़ा।

उत्सव में लंबे भाषणों से जनता निराश हुई

दशहरा पर्व पर आम जन जिस उत्सव को देखने के लिए गांव गांव से अशोकनगर शहर पहुंचते हैं, वह उत्सव देखने की मंशा से आते हैं लेकिन आयोजन स्थल पर उत्सव के साथ साथ लंबे चौड़े भाषणों के कारण मौजूदा लोगों को निराश होता देखा गया। वह इस बात का इंतजार करते रहे जल्द से जल्द उत्सव को समापन की ओर ले जाया जाए, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि लोगों को इंतजार करना पड़ा, भाषणों के कारण लोग बेचैन और उदास देखे गए।

खास बातें

- कार्यक्रम इस बार भी मोहरी के स्टेडियम में आयोजित किया गया।
- आकर्षक आतिशबाजी के दौरान नई तकनीक एआई का इस्तेमाल किया गया।
- इस दौरान एक पटाखा बाहर की ओर भीड़ में आया जिससे लोग डरकर भागे।
- मंच पर दशहरा पर्व की महत्वता की जगह भाषणबाजी होती रही।
- उपस्थित भीड़ रावण दहन का इंतजार करती रही,
- पास जारी करने के बाद भी एक नंबर गेट की जगह दो नंबर गेट से प्रवेश दिया गया।
- जितने भी बैनर थे उनमें रावण की जगह रावन लिखा गया।
- रावण दहन के बाद उसकी लकड़ी लूटकर ले जाते हुए देखा गया।
- रावण दहन रात 8 बजे के बाद हुआ।

पहले मेघनाथ, फिर कुम्भकरण अंत में रावण के पुतले का दहन किया गया

सबसे पहले मेघनाथ के पुतले का दहन किया गया। असत्य पर सत्य की विजय और अच्छाई पर बुराई के प्रतीक यह पुतले धूं धूं कर जल उठे। मेघनाथ के बाद कुम्भकरण और सबसे अन्त में रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान पहली वार रावण के पुतले को पिंक कलर और कुम्भकरण के पुतले को गोल्डन तथा मेघनाथ के पुतले को सिल्वर कलर से सजाया गया था। रावण की नाभि में जैसे ही तीर लगा वैसे ही रावण जल उठा।

कलेक्टर और अन्य अधिकारी शामिल हुए

दशहरा पर्व पर पुलिस लाइन अशोकनगर में विधि-विधान से किया गया शस्त्र पूजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

दशहरा पर्व के पावन अवसर पर पुलिस लाइन अशोकनगर परिसर में पारंपरिक रूप से शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई तथा पुलिस के शस्त्रों को तिलक लगाकर पूजन किया गया। इस अवसर पर हवन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर पुलिस वाहनों का भी विधिवत पूजन किया गया।

कार्यक्रम में मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, नगर पालिका अध्यक्ष अशोकनगर नीरज मनोरिया, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा, कलेक्टर साकेत मालवीय, सांसद प्रतिनिधि संजीव जैन, चन्देरी विधायक प्रतिनिधि शिवप्रताप रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश, एसडीओपी ओमप्रकाश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक अजाक राजू सिंह बघेल, रक्षित निरीक्षक अविनाश उमरैया, थाना प्रभारी यातायात अजीत सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चैहान, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक आकाश शर्मा, थाना प्रभारी अजाक निरीक्षक बृजमोहन रावत, थाना प्रभारी महिला थाना निरीक्षक रितु चैहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।



प्रसाद वितरित किया

दशहरा पर्व पर आयोजित यह पारंपरिक पूजन कार्यक्रम शस्त्रों के प्रति सम्मान, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसुरक्षा के संकल्प का प्रतीक रहा। कार्यक्रम के दौरान जिले में सुख-शांति, समृद्धि एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया गया। पुलिस अधीक्षक, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जिलेवासियों को सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दीं गई।

श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ शस्त्र पूजन कार्यक्रम



हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदेरी

चंदेरी में समस्त हिंदू समाज के तत्वावधान में शस्त्र एवं शास्त्र पूजन कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह एवं सांस्कृतिक गौरव के वातावरण में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में महंत सीताराम दास महाराज एवं महंत जुगलकिशोर दास महाराज का सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए। श्रद्धालु एवं समाजजन शस्त्रों और शास्त्रों के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए तथा भारतीय संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। शस्त्र एवं शास्त्र पूजन भारतीय परंपरा में शक्ति और ज्ञान के समन्वय का प्रतीक है। शास्त्र हमें विवेक, संस्कार और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, वहीं शस्त्र अन्याय से रक्षा, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण, समाज में समरसता तथा भावी पीढ़ी में संस्कारों के प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समस्त हिंदू समाज चंदेरी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा, सामाजिक सहभागिता और सामूहिक चेतना का प्रतीक बना।



मुंगावली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निकला

मुंगावली। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मुंगावली नगर में पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासन और एकजुटता के साथ शामिल हुए। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय से पथ संचलन का शुभारंभ हुआ। इसके बाद संचलन नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। स्वयंसेवक बस स्टैंड, इमली चैराहा, पुरानी मंडी, भुजरिया तालाब रोड और पुराना बाजार होते हुए चंदेरी रोड पहुंचे। यहां से संचलन सीधे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह और अनुशासन देखने को मिला। कदम से कदम मिलाकर चलते स्वयंसेवकों ने राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, संगठन और एक जुटता का संदेश दिया। विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन आयोजित करने की परंपरा रही है। इस आयोजन के माध्यम से स्वयंसेवक समाज में अनुशासन, सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

जानबूझ कर विधायक का नाम शिलापट्टिका में अंकित न करने का आरोप

कांग्रेस ने डाक घर के नए भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रोटोकॉल का पालन न करने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नवनिर्मित प्रधान डाकघर अशोकनगर का लोकार्पण किया गया जिसमें शिला पट्टिका लगाई गई। परंतु शिलापट्टीका में वर्तमान विधायक इंजी. हरिबाबू राय अशोकनगर विधानसभा क्षेत्र 032 का नाम शामिल नहीं किया गया है। जबकि प्रोटोकॉल के अनुसार विधायक का नाम प्राथमिकता से दर्ज होना चाहिए, वह जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। उक्त कार्यक्रम को राजनैतिक स्वरूप दिया गया और अशोकनगर विधायक कांग्रेस दल से हैं इस कारण उनके नाम का उल्लेख शिला पट्टिका में नहीं किया गया। यह अत्यंत खेद जनक है और लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने कहा यह सम्पूर्ण कृत्य जन प्रतिनिधियों के निर्धारित प्रोटोकॉल एवं मर्यादा की अवहेलना को दर्शाता है। यह अपमान विधायक का नहीं बल्कि अशोकनगर विधानसभा की 2,16,507 मतदाताओं का अपमान है क्योंकि विधायक जनता द्वारा निर्वाचित किया जाता है और जनप्रतिनिधियों के सम्मान एवं पद की गरिमा की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वहीं शिलापट्टीका पर पूर्व विधायक का नाम लिखा गया है जिसे जनता ने नकारा है फिर भी वह अपना नाम शिलापट्टीका पर लिखवा रहे हैं यह भाजपा की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। वहीं यदि हम नियम की बात करें तो शिला पट्टीका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना राज्य सरकार की प्रोटोकॉल हैंडबुक और राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग नियम के अंतर्गत शिला पट्टिका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना अनिवार्य है ओर अब जिला कांग्रेस कमेटी संबंधित विभाग को लीगल नोटिस भेजेंगी और इसमें जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई करने का काम पार्टी द्वारा किया जाएगा। इस बीच मुख्य रूप से विधायक इंजी. हरीबाबू राय, प्रदेश महासचिव यादवेन्द्र सिंह यादव राव, नगर अध्यक्ष राहुल शर्मा पंडा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सुबह 8 बजे मंदिर से शुरू हुआ डोला, केशोपुर रोड स्थित डेम पर किया गया जल विहार

पिपरई में दशहरा पर निकला मां बीजासन मैया का डोला

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरई

दशहरा पर्व के अवसर पर पिपरई कस्बे में आस्था और परंपरा का प्रतीक बीजासन मैया का ऐतिहासिक डोला निकाला गया। डोला सुबह बीजासन मैया के मंदिर से प्रारंभ हुआ। नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करने के बाद डोला केशोपुर रोड स्थित डेम पर पहुंचा, जहां मैया का जल विहार कराया गया। इसके बाद डोला वापस मंदिर में लाकर विराजमान किया गया। इस दौरान नगर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल

पिपरई में बीजासन मैया का डोला धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सद्भाव का भी प्रतीक माना जाता है। इस परंपरा में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर सहयोग करते हैं। डोले के आयोजन से लेकर माता को भेंट अर्पित करने तक दोनों समुदायों की सहभागिता गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश करती है। नगर में निकलने वाले डोले के साथ विभिन्न झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहती हैं। दोनों





समुदायों के लोग आपसी भाईचारे के साथ इस धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं और एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। यही परंपरा पिपरई की सांस्कृतिक पहचान को विशेष बनाती है।

आजादी से पहले से चली आ रही परंपरा

वृद्धजनों के अनुसार, बीजासन मैया का डोला देश की आजादी से पहले से निकाला जा रहा है। प्रचलित जनश्रुति के मुताबिक, खुशाल पंडा को स्वप्न में माता ने नाबनी गांव से पिपरई लाने का संदेश दिया था। इसके बाद चैधरी मुसाफ खां ने लोगों को नाबनी गांव भेजा। बताया जाता है कि उस समय गेहूं की एक पुरानी किस्म, जिसे कुरैया कहा जाता था, देकर माता को पिपरई लाया गया था। तभी से बीजासन मैया की यह परंपरा निरंतर चली आ रही है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, अब भी मैया का डोला चैधरी की हवेली पर पहुंचा, जहां माता को प्रसादी और भेंट अर्पित की गई। इस परंपरा में मुस्लिम परिवारों की सहभागिता आज भी बनी हुई है। वह डोले में शामिल होकर माता को भेंट अर्पित करते हुए देखे गए।

थाना परिसर में भी दिखता है अनूठा दृश्य

बीजासन मैया के डोले को लेकर नगर में कई धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि माता अपनी मर्जी से चलती हैं और भक्तों द्वारा अर्पित की जाने वाली भेंट स्वीकार करती हैं। इसी आस्था के चलते दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग माता के दर्शन करने और प्रसादी चढ़ाने पहुंचते हैं। स्थानीय परंपरा के अनुसार, जब डोला थाना परिसर पहुंचता है, तब माता के उग्र स्वरूप से जुड़ा एक विशेष दृश्य देखने को मिलता है। इस दौरान श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हैं। 'बोल माई की' और 'बीजासन माता की जय' के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। एसडीओपी ओम प्रकाश मिश्रा मुंगावली व थाना प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी व समस्त स्टाफ ने माता की पूजा अर्चना की। उन्होंने बताया कभी तो डोला का बजन बहुत लगता है कभी बिल्कुल खाली महसूस होता है ऐसा प्रतीत होता है कि अब कोई दिव्य शक्ति डोले पर विराजमान हो चुकी है।

दो स्थानों पर निकलने की मान्यता

स्थानीय लोगों के अनुसार, बीजासन मैया का इस प्रकार का डोला देश में केवल दो स्थानों पर निकलने की मान्यता है। इनमें मध्यप्रदेश का पिपरई और राजस्थान का कोटा शहर शामिल हैं। यह परंपरा वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है। दशहरा पर्व पर निकलने वाला बीजासन मैया का डोला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पिपरई की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक भी है। पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा में हिंदू-मुस्लिम समुदाय की साझा भागीदारी आपसी भाईचारे और एकता का संदेश देती है।